an>

Title: Need to develop Hardwar as an international tourist place.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): आदरणीय अध्यक्षा जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र हरिद्वार-ऋषिकेश की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। हरिद्वार सारी दुनिया की आध्यात्म और आस्था की राजधानी है और वहां चारों धामों --गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरी और केदारनाथ का प्रवेश द्वार है। वह हरिद्वार गंगोत्री से 300 किलोमीटर दूर गंगा के तट पर बसा है।

अध्यक्षा जी, यह वह हरिद्वार है, जहां हर छः वर्ष में कुंभ का मेला लगता है और हर बारह वर्ष में महाकुंभ का मेला लगता है। मेरा सौभाग्य है कि जब मैं उत्तराखंड का मुख्य मंत्री था तब मुझे वर्ष

2010 में महाकुंभ का आयोजन करने का अवसर मिला। इस महाकुंभ में विश्व के 150 देशों के लगभग साढ़े आठ करोड़ से भी अधिक लोगों ने गंगा स्नान किया था और एक ही दिन में 1 करोड़ 66 लाख लोगों की उपस्थिति ने धरती के इतिहास में एक अभिनव, अद्भुत प्रयोग दिखाया था। ऐसा स्थान जो सारे विश्व का केन्द्र है, उस स्थान पर यातायात का अभाव है। यहां चिकित्सा का अभाव है। यहां प्रतिवर्ष चार से छः करोड़ लोग तीर्थ यात्रा और पर्यटन के लिए आते हैं। मेरा निवेदन है कि रुड़की से ऋषिकेश तक ओवर ब्रिज बनाया जाए। मेट्रो रेल स्थापित की जाए। चिकित्सा क्षेत्र को सशक्त किया जाए और एंबुलेंस दी जाएं। मैं सरकार से ऋषिकेश और हरिद्वार में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन केंद्र स्थापित करके सभी अवस्थापनाओं को सुदृढ़ करने अनुरोध करता हूं।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री केशव प्रसाद मौर्य और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।